ऑनलाइन शिक्षण अधिगम के प्रति विद्यार्थियों ,अध्यापकों एवं अविभावकों की राय : एक अध्ययन

एक निबंध प्रस्तुत किया गया

बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल

मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.) की डिग्री के लिए आवश्यक शर्तों की आंशिक पूर्ति में

सत्र: 2021-2023

पर्यवेक्षक

डॉ. संजय कुमार पंडागले

एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग

शिक्षा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

जांचकर्ता

पूनम अमरघड़े

एम. एड. चतुर्थ सेमेस्टर

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद)

श्यामला हिल्स, भोपाल -462002, मध्य प्रदेश

(एनएएसी मान्यता प्राप्त ए++ ग्रेड संस्थान)

घोषणा-पत्र

मैं एतद्द्वारा घोषित करती हूं कि "**ऑनलाइन शिक्षण अधिगम के प्रति विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं अविभावकों की राय : एक अध्ययन**" शीर्षक वाला यह अध्ययन मास्टर ऑफ एजुकेशन की डिग्री की आवश्यकता की आंशिक पूर्ति के लिए मेरे द्वारा किया गया है।

मैंने यह अध्ययन **डॉ. संजय कुमार पंडागले**, एसोसिएट प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी भोपाल के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं यह भी घोषणा करती हूं कि अन्य लोगों या मैंने यह शोध प्रबंध पहले किसी भी डिग्री के लिए बरकतउल्ला विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया है।

स्थान: आरआईई, भोपाल **पूनम अमरघड़े**

दिनाँक : एम.एड. विद्यार्थी

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **ऑनलाइन शिक्षण अधिगम के प्रति विद्यार्थियों , अध्यापकों एवं अविभावकों की राय** नामक शोध प्रबंध: एम.एड की छात्रा पूनम अमरघड़े द्वारा प्रस्तुत एक अध्ययन। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, भोपाल में वर्ष 2021-2023 में पाठ्यक्रम मेरी देखरेख और मार्गदर्शन में किए गए शोध कार्यों का एक प्रामाणिक रिकॉर्ड है। यह शोध प्रबंध एम.एड की डिग्री की प्रकृति से संबंधित नियमों की आवश्यकताओं को पूरा करने के मानक तक पहुंच गया है।

इस शोध प्रबंध में सन्निहित परिणाम कहीं और किसी अन्य डिग्री या डिप्लोमा के पुरस्कार के लिए प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।

डॉ. संजय कुमार पंडागले

एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, भोपाल

आभार ज्ञापन

मैं इस अवसर पर अपने मार्गदर्शक **डॉ. संजय कुमार पंडागले** एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान. एनसीईआरटी. भोपाल के प्रति आभार व्यक्त करती हूं। जिन्होंने इस अध्ययन के निष्पादन में मदद की। मैं बहुमूल्य सलाह, अध्ययन पूरा करने में प्रेरक मार्गदर्शन और प्रोत्साहन निरंतर मदद के लिए उन्हें धन्यवाद देती हूं। मैं उनकी उदारता के लिए उनका आभार व्यक्त करती हूं और उनका सम्मान करती हूँ।

मैं **प्रोफेसर जयदीप मण्डल**, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के प्राचार्य, **प्रोफेसर रमेश बाबू**, डीन ऑफ रिसर्च एवं शिक्षा विभाग प्रमुख की आभारी हूं। आपने प्रेरक सहयोग और एक परिसर में पर्याप्त शिक्षण सुविधाएं, शैक्षिक वातावरण प्रदान किया।

मैं प्रोफेसर **रत्नमाला आर्य**, प्रोफेसर **निधि तिवारी**, **डॉ. एन.सी. ओझा**, **डॉ.सौरभ कुमार**, **प्रोफेसर आई.बी. चुगतई** शिक्षा विभाग के सभी सदस्य की आभारी हूँ। जिन्होंने शोध प्रबंध कार्य के समापन में सहयोग किया, समर्थन और मार्गदर्शन के लिए उन्होंने अध्ययन में व्यापक प्रदर्शन देने में मदद की।

मैं लाइब्रेरियन **डॉ. पी.के. त्रिपाठी** और सभी पुस्तकालय कर्मचारियों को शोध समस्या से संबंधित सामग्री खोजने में उनकी मदद के लिए धन्यवाद देती हूं। मैं स्कूल के शिक्षकों और छात्रों को भी उतना ही धन्यवाद देती हूं। वे इतने दयालु थे कि उन्होंने मुझे पर्याप्त और सटीक डेटा एकत्र करने में पूर्ण सहयोग की पेशकश की।

सभी साक्षात्कार प्रतिभागियों को धन्यवाद, जिन्होंने इस अध्ययन को समृद्ध करने के लिए मुझे अपना बहुमूल्य समय दिया।

मैं अपने सहपाठियों को धन्यवाद देना चाहती हूं जिन्होंने आरआईई में पूरे समय समर्थन दिया।

मैं अपने परिवार के सदस्यों को धन्यवाद देना चाहती हूं जिन्होंने संस्थान में पढ़ाई की इस यात्रा में मेरा समर्थन किया है। मैं उन सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करती हूं जिन्होंने मेरे शोध कार्य को पूरा करने में उनके समर्थन और निरंतर मदद के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मेरी मदद की।

पूनम अमरघड़े

एम.एड. 4 सेमेस्टर

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, भोपाल

अनुक्रमणिका

page

घोषणा i
प्रमाणपत्र ii
स्वीकृति iii
प्रथम अध्याय: शोध आकल्प 1
1.1 प्रस्तावना 3
1.2 अनुसन्धान कार्य का औचित्य 3
1.2.1 विद्यार्थियों के दृष्टिकोण से 3
1.2.2 अभिभावकों के दृष्टिकोण से 3
1.2.3 शिक्षकों के दृष्टिकोण से 3
1.2.4 अनुसंधान के दृष्टिकोण से 3
1.3 समस्या कथन 4
1.4 शोध अध्ययन के उद्देश्य 4
1.5 शोध अध्ययन का परिसीमन 4
1.6 परिभाषिक शब्दों की व्याख्या 4
1.6.1 ऑनलाइन शिक्षण अधिगम 4
1.6.2 राय या अभिमत 5
1.6.3 आईसीटी 5
1.7 अनुसंधान प्रतिवेदन की योजना 5
1.7.1 प्रथम अध्याय शोध आकल्प 5
1.7.2 द्वितीय अध्याय सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन 5
1.7.3 तृतीय अध्याय 5
1.7.4 चतुर्थ अध्याय 5
1.7.5 पंचम अध्याय 5
1.8 उपसंहार 5
द्वितीय अध्याय: सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन 7
2.1 प्रस्तावना 7
2.1.1ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव 7
2.1.2 ऑनलाइन शिक्षा के लाभ 8
2.1.3 टेक्नोलॉजी से शिक्षा में बदलाव 8
2.2 अध्ययन का औचित्य 9
तृतीय अध्याय: अनुसंधान पद्धति 12
3.1 अनुसंधान पद्धति क्या है? 12
3.2 अनुसंधान की विधियाँ 12
3.3 शोध अध्ययन का परिसीमन 12
3.4 अनुसंधान विधि 12
3.5 सर्वेक्षण 13
3.6 डेटा संग्रह के लिए उपयोग किया जाने वाला उपकरण 13
3.7 उपकरण का विवरण 14

3.8 अध्ययन के लिए नमूना 14
3.9 चर 14
3.10 उपकरण 14
3.11 उपकरण का प्रशासन 14
3.12 डेटा संग्रह 15
3.13 स्कोरिंग 15
चतुर्थ अध्याय: विश्लेषण, परिणाम और व्याख्या 16
4.1 परिचय 16
4.2 डाटा प्राप्ति,विश्लेषण एवं व्याख्या 16
पंचम अध्याय 29
5.1 परिचय 29
5.2 निष्कर्षों का सारांश 29
5.2.1 समस्या का विवरण 29
5.2.2 शामिल चर 30
5.2.3 अध्ययन के उद्देश्य 30
5.2.4 अध्ययन की परिकल्पनाएँ 30
5.2.5 अध्ययन के लिए नमूना 31
5.2.6 उपकरण का विवरण 31
5.3 स्कोरिंग 31
5.4 शैक्षिक निहितार्थ 31
5.5 अध्ययन का योगदान 32
5.6 आगे के शोध के लिए सुझाव 32
5.7 निष्कर्ष 33
संदर्भ 34
अनुलग्नक। 35
अनुलग्नक।। 36
अनुलग्नक।।। 38